PUMPKIN- PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Pumpkin seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Pumpkin seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Pumpkin seeds provide excellent germination & better vigour with tolerance to biotic & abiotic stresses.

Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Pumpkin Hybrid	**Chitra, Madhu**	**Agni**	**Bani, Kashi**
Duration	105-115 DAS	115- 125 DAS	105-115 DAS
Kharif	Yes	Yes	Yes
Rabi	Yes	Yes	Yes
Spring	(Early spring)	(Early spring)	(Early spring)
Source of Irrigation	Borewell/Canal	Borewell/Canal	Borewell/Canal

Please note according to weather conditions crop growth & maturity may be different

S. No.	**Particulars/ operations/Practice**	**Details of operation. input per acre**
1	Suitability of the area/ Agro-climatic zone	Pumpkins are suited for warm, sunny climates with optimal temp of 21-35 ° C
2	Land / Soil	Well drained sandy to moderately heavy soil rich in organic matter with pH 6.0-6.5.
3	Season. Sowing/planting time	January – April (For summer harvest); Sept. – October (For spring harvest).
4	Seed rate. Sowing/planting method.	400-500g/acre.
5	Preparation of Main field and planting	Prepare the soil to a fine tilth by ploughing, well cured FYM is mixed with top soil and seedling are planted according to the recommended spacing.
6	Spacing	(Row to Row x Plant to Plant): 2.5-3.0 m x 0.9-1.0 m (Spring); 2.5-3.0 m x 1.0-1.5 m (Summer)
7	Manures and Fertilizers	FYM @ 10-15 t, N 30 kg, P2O5 32 kg, K_2O 32 kg, CaO 12 kg/acre basal application.
8	Irrigation schedule	Weekly twice during dry spell.
9	Weeding/ inter cultivation	Maintain weed free environment for optimal growth , particularly in the early stages. Earthing up & usage of Mulch reduces weeds.
10	Micronutrient/growth regulator sprays	The femaleness, fruit-set, fruit size and total yield can be increased by spraying NAA (100 ppm) and Ethrel (25 ppm) at 2 to 4 leaf stage.
11	Pest and Disease control	Leaf Hopper: Dichlorvos 76% EC (6.5ml/10 lit), Trichlorofon 50% EC (1.0ml/lit). Fusarium wilt: Carbendazim 0.5g/lit. or Mancozeb 2g/lit for every 10-14 days Fruit fly: Sticky trap @4 /acre. Neem oil @ 3 % as foliar spray.
12	Harvest	Fruits to be harvested at immature (green or at full maturity, when colour changes to yellow or orange to yellow or orange yellow.
13	Expected yield/ acre	Yields 8-10 tons in a well managed crop under ideal conditions.
17	Storage	Best stored @ 10-13° C in a cool dry and ventilated space. If properly stored, pumpkins can last for several months.
18	Don't Do	Do Not use DDT, Lindane 1.3% dust, Copper and Sulphur dust. These are phytotoxic.
19	Do's	Selecting right variety, providing ample sunlight & space. Ensuring adequate watering and fertilization, implementing effective pest and disease control measures.
Note	The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.	
Precautions	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.	

कद्दू की खेती के तरीके

बधाई हो! आपने क्रिस्टल परिवार के कद्दू की बेहतरीन किस्म के बीजों में से एक को चुना है। क्रिस्टल कंपनी को उच्च दर्जे के कद्दू के बीजों के उत्पादन का समृद्ध अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं, ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसलें विकसित की जा सकें। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सकें। क्रिस्टल के कद्दू के बीजों में उच्च अंकुरण क्षमता, मजबूत पौध वृद्धि और रोग तथा पर्यावरणीय तनावों के प्रति अच्छी सहनशीलता होती है। बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुशंसित तरीकों को अपनाएँ। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया इन्हें

हाइब्रिड कद्दू	हाइब्रिड. चित्रा, मधु, चित्रा, मधु	अग्नि	हाइब्रिड. बानी, हाइब्रिड. बानी, काशी									
अवधि	105-115 DAS	115- 125 DAS	105-115 DAS									
खरीफ	हाँ	हाँ	हाँ									
रबी	हाँ	हाँ	हाँ									
वसंत	(शुरुआती वसंत)	(शुरुआती वसंत)	(शुरुआती वसंत)									
सिंचाई का स्रोत	बोरिंग/नहर	बोरवेल/नहर	बोरवेल/नहर									

कृपया ध्यान रखें कि जलवायु की स्थिति के अनुसार फसल वृद्धि और परिपक्व होने का समय अलग-अलग हो सकता है

क्रम सं.	विवरण/ संचालन/तरीका	कार्यप्रणाली का विवरण। प्रति एकड़ लागत
1	क्षेत्र की उपयुक्तता / कृषि-जलवायु क्षेत्र	कद्दू की खेती के लिए गर्म और धूप वाले जलवायु अनुकूल होते हैं, और इसके लिए सबसे उपयुक्त तापमान 21–35 °से. है।
2	भूमि / मिट्टी	रेतीली से लेकर मध्यम भारी, पोषक तत्वों से समृद्ध और 6.0–6.5 pH वाली मिट्टी कद्दू की खेती के लिए अनुकूल है।
3	मौसम। बुवाई/रोपाई का समय	गर्मियों की कटाई हेतु जनवरी से अप्रैल तक, वसंत की कटाई हेतु सितंबर–अक्टूबर तक।
4	बीज दर। बुवाई/रोपाई का तरीका।	400-500ग्राम/एकड़।
5	मुख्य खेत की तैयारी और रोपाई	खेत की मिट्टी को बारीक जुताई कर तैयार करें, अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद (FYM) मिलाएँ, और अनुशंसित दूरी पर पौधों को पंक्ति में लगाएँ।
6	पौधों के बीच दूरी	पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे की दूरी: वसंत ऋतु के फसल के लिए 2.5–3.0 मी × 0.9–1.0 मी, गर्मियों के फसल के लिए 2.5–3.0 मी × 1.0–1.5 मी
7	जैविक और रासायनिक उर्वरक	आधार खाद के रूप में प्रति एकड़ 10–15 टन गोबर की खाद, 30 कि.ग्रा. नाइट्रोजन, 32 कि.ग्रा. फॉस्फोरस, 32 कि.ग्रा. पोटाश और 12 कि.ग्रा. कैल्शियम ऑक्साइड डालें।
8	सिंचाई कार्यक्रम	शुष्क मौसम में सप्ताह में दो बार।
9	निराई/ खेत की बीच-बीच में जुताई	शुरुआती दौर में विशेष रूप से, फसल के सही विकास के लिए खरपतवार मुक्त वातावरण बनाए रखें। मिट्टी भराव और ढकाव से खेत में खरपतवार नियंत्रण में मदद मिलती है।
10	पोषक तत्व और विकास नियामक का छिड़काव	2–4 पत्तियों के चरण में NAA 100 ppm और एथ्रेल 25 ppm का छिड़काव करने से पौधों में नारीत्व, फलन, फल का आकार और कुल उपज में वृद्धि होती है।
11	कीट-पतंग और रोग नियंत्रण	लीफ हॉपर: डाइक्लोर्वोस 76% EC (6.5 मिली/10 लिटर), ट्राइक्लोरोफोन 50% EC (1.0 मिली/लिटर) फ्यूजेरियम विल्ट: कार्बेन्डाजिम 0.5g/लीटर या मांकोजेब 2g/लीटर, प्रत्येक 10–14 दिन में फ्रूट फ्लाई: स्टिकी ट्रैप @ 4/एकड़ नीम तेल @ 3% पत्ती स्प्रे के रूप में।
12	फसल काटना	फलों की कटाई अधपका (हरा) अवस्था में या पूर्ण परिपक्वता पर करें, जब रंग पीला, नारंगी या पीला-नारंगी हो जाए।
13	अनुमानित प्रति एकड़ उपज	अच्छी तरह देखभाल की गई फसल में आदर्श परिस्थितियों में 8–10 टन प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त होती है।
17	भंडारण	10–13° C तापमान पर, ठंडी, सूखी और हवादार स्थान पर रखना सबसे बेहतर होता है। सही भंडारण की स्थिति में, कद्दू महीनों तक सुरक्षित रहते हैं।
18	क्या न करें	इसकी खेती में DDT, लिन्डेन 1.3% डस्ट, कॉपर और सल्फर डस्ट का प्रयोग मना है। ये पौधों के लिए विषैले हैं।
19	क्या करें	उपयुक्त प्रजाति चुनना, पर्याप्त सूर्यप्रकाश और पौधों के बीच दूरी रखना। सही मात्रा में सिंचाई और खाद देना और कीट और रोग नियंत्रण के प्रभावी उपाय करना।
नोट	यह जानकारी सिर्फ़ सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष क्षेत्र से जुड़ी अनुशंसाओं के लिए कृपया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें।	
सावधानियाँ	फसल वृद्धि और उपज पर अलग-अलग तत्वों का प्रभाव पड़ सकता है। अतः सलाह है कि सुझाव के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारी से परामर्श करें। यह सुनिश्चित करें कि बेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, उर्वरक और कीटनाशक की खरीद के बिल अपने पास रखें।	

કોળુ -ખેતી માટેની ભલામણ કરેલી પદ્ધતિઓ

અભિનંદન! તમે ક્રિસ્ટલ પરિવારમાંથી એક શ્રેષ્ઠ કોળાના બીજ પસંદ કર્યા છે. ક્રિસ્ટલને ઉચ્ચ-ગુણવત્તાવાળા કોળાના બીજનું ઉત્પાદન કરવાનો સારો અનુભવ છે. આ બીજ વ્યાપક સંશોધનનું પરિણામ છે, જેનો ઉદ્દેશ્ય વિવિધ કૃષિ આબોહવા માટે યોગ્ય ઉચ્ચ ઉપજ આપતા હાઇબ્રિડ પાક વિકસાવવાનો છે. ખેડૂતોને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા બીજ મળે તે સુનિશ્ચિત કરવા માટે ક્રિસ્ટલ બીજ ઉત્પાદન દરમિયાન નવીનતમ તકનીકો અપનાવે છે. ક્રિસ્ટલના કોળાના બીજ ઉત્તમ અંકુરણ અને વધુ સારી શક્તિ પ્રદાન કરે છે, સાથે જૈવિક અને અજૈવિક તાણ સહન કરે છે.
ઉત્તમ ઉપજ મેળવવા માટે કૃપા કરીને શ્રેષ્ઠ ખેતી પદ્ધતિઓ અપનાવો. નીચે આપેલ સામાન્ય ભલામણો આપવામાં આવી છે, તેથી અમે તમને કોઈપણ નિર્ણય લેતા પહેલા આ ભલામણો વાંચવા વિનંતી કરીએ છીએ.

કોળુ હાઇબ્રિડ	હાઇબ્રિડ. ચિત્રા, મધુ, ચિત્રા, મધુ	અગ્નિ	હાઇબ્રિડ. બાની, હાઇબ્રિડ. બાની, કાશી									
સમયગાળો	105-115 DAS	115- 125 DAS	105-115 DAS									
ખરીફ	હા	હા	હા									
રાબી	હા	હા	હા									
વસંત	(વસંત ઋતુની શરૂઆતમાં)	(વસંત ઋતુની શરૂઆતમાં)	(વસંત ઋતુની શરૂઆતમાં)									
સિંચાઈનો સ્ત્રોત	બોરવેલ/કેનાલ	બોરવેલ/કેનાલ	બોરવેલ/કેનાલ									

કૃપા કરીને નોંધ લો કે હવામાન પરિસ્થિતિઓ અનુસાર પાકનો વિકાસ અને પરિપક્વતા અલગ અલગ હોઈ શકે છે.

ક્રમ નં.	વિગતો/કામગીરી/પ્રેક્ટિસ	કામગીરીની વિગતો. પ્રતિ એકર ઇનપુટ
1	વિસ્તાર/કૃષિ-આબોહવા ક્ષેત્રની યોગ્યતા	કોળા ગરમ, સન્ની આબોહવા માટે યોગ્ય છે જ્યાં 21-35 ડિગ્રી સેલ્સિયસ તાપમાન શ્રેષ્ઠ હોય છે.
2	જમીન / માટી	સારી રીતે નિતારાયેલી રેતાળ થી મધ્યમ ભારે જમીન, જેમાં 6.0-6.5 pH સાથે કાર્બનિક પદાર્થોથી ભરપૂર.
3	ઋતુ. વાવણી/વાવેતરનો સમય	જાન્યુઆરી - એપ્રિલ (ઉનાળાની લણણી માટે); સપ્ટેમ્બર - ઓક્ટોબર (વસંત લણણી માટે).
4	બીજ દર. વાવણી/વાવેતર પદ્ધતિ.	400-500 ગ્રામ/એકર.
5	મુખ્ય ખેતરની તૈયારી અને વાવેતર	ખેડાણ કરીને જમીનને સારી રીતે ખેડવા માટે તૈયાર કરો, સારી રીતે સારેલા FYMને ઉપરની માટીમાં ભેળવીને ભલામણ કરેલ અંતર અનુસાર રોપાઓ રોપવામાં આવે છે.
6	અંતર	(લાઈન થી લાઈન x છોડથી પંક્તિ): 2.5-3.0 મીટર x 0.9-1.0 મીટર (વસંત); 2.5-3.0 મીટર x 1.0-1.5 મીટર (ઉનાળો)
7	ખાતર અને ખાતરો	FYM @ 10-15 ટન, N 30 કિલો, P_2O_5 32 કિલો, K_2O 32 કિલો, CaO 12 કિલો/એકર મૂળભૂત રીતે આપવું.
8	સિંચાઈ સમયપત્રક	દુષ્કાળ દરમિયાન અઠવાડિયામાં બે વાર.
9	નીંદણ/આંતરખેતી	ખાસ કરીને શરૂઆતના તબક્કામાં, શ્રેષ્ઠ વિકાસ માટે નીંદણમુક્ત વાતાવરણ જાળવો. માટી નાખવાથી અને લીલા ઘાસનો ઉપયોગ કરવાથી નીંદણ ઘટે છે.
10	સૂક્ષ્મ પોષકતત્વો/વૃદ્ધિ નિયમનકાર સ્પ્રે	2 થી 4 પાન અવસ્થામાં NAA (100 ppm) અને ઇથ્રેલ (25 ppm) નો છંટકાવ કરીને ફળની માદાપણું, ફળનો સમૂહ, ફળનું કદ અને કુલ ઉપજ વધારી શકાય છે.
11	જીવાત અને રોગ નિયંત્રણ	લીફ હોપર: ડાયક્લોરવોસ 76% EC (6.5 મિલી/10 લિટર), ટ્રાઇક્લોરોફેન 50% EC (1.0 મિલી/લિટર). ફ્યુઝેરિયમ વિલ્ટ: કાર્બેન્ડાઝીમ 0.5 ગ્રામ/લિટર અથવા મેન્કોઝેબ 2 ગ્રામ/લિટર દર 10-14 દિવસે ફળ માખી: સ્ટીકી ટ્રેપ @4/એકર. લીમડાનું તેલ @ 3% પાંદડા પર છંટકાવ તરીકે.
12	લણણી	ફળો અપરિપક્વ (લીલા અથવા સંપૂર્ણ પરિપક્વતા પર, જ્યારે રંગ પીળો અથવા નારંગીથી પીળો અથવા નારંગી પીળો થઈ જાય ત્યારે) કાપવા જોઈએ.
13	અપેક્ષિત ઉપજ/એકર	આદર્શ પરિસ્થિતિઓમાં સારી રીતે સંચાલિત પાકમાં 8-10 ટન ઉપજ મળે છે.
17	સંગ્રહ	ઠંડી, સૂકી અને હવાની અવરજવરવાળી જગ્યામાં 10-13° સેલ્સિયસ તાપમાને શ્રેષ્ઠ સંગ્રહિત. જો યોગ્ય રીતે સંગ્રહિત કરવામાં આવે તો, કોળા ઘણા મહિનાઓ સુધી ટકી શકે છે.
18	ના કરો	DDT, લિન્ડેન 1.3% ધૂળ, તાંબુ અને સલ્ફરની ધૂળનો ઉપયોગ કરશો નહીં. આ ફાયટોટોક્સિક છે.
19	શું કરવું	યોગ્ય જાતની પસંદગી, પુષ્કળ સૂર્યપ્રકાશ અને જગ્યા પૂરી પાડવી. પૂરતા પ્રમાણમાં પાણી અને ખાતર આપવાની ખાતરી કરવી, અસરકારક જીવાત અને રોગ નિયંત્રણ પગલાં અમલમાં મૂકવા.
નોંધ	ઉપરોક્ત માહિતી એક સામાન્ય સલાહ છે. ચોક્કસ પ્રદેશ સંબંધિત ચોક્કસ ભલામણો માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક રાજ્ય કૃષિ વિભાગનો સંપર્ક કરો.	
સાવચેતીનાં પગલાં	પાકની વૃદ્ધિ અને ઉપજ વિવિધ પરિબળોથી પ્રભાવિત થઈ શકે છે. તેથી, સલાહ માટે તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીનો સંપર્ક કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે. ખાતરી કરો કે ફક્ત ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા ખાતરો અને જંતુનાશકોનો ઉપયોગ થાય છે. બીજ, ખાતર અને જંતુનાશકોની ખરીદીના બિલ સાચવી રાખો.	

भोपळा - पीक व्यवस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील भोपळ्याच्या सर्वोत्तम बियाण्यांपैकी एक बियाणे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे भोपळ्याचे बियाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे बियाणे. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे बियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच बियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या भोपळ्याच्या बियाणांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात.

भोपळा हायब्रीड	**हाइब्रिड. चित्रा, मधु, चित्रा, मधु**	**हाइब्रिड. बानी, हाइब्रिड. बानी, काशी**	**हाइब्रिड. बानी, हाइब्रिड. बानी, काशी**									
कालावधी	105-115 दिवसांनी	115- 125 दिवसांनी	105-115 दिवसांनी									
खरीप	होय	होय	होय									
रब्बी	होय	होय	होय									
वसंत ऋतू	(वसंत ऋतूच्या सुरुवातीला)	(वसंत ऋतूच्या सुरुवातीला)	(वसंत ऋतूच्या सुरुवातीला)									
सिंचनाचा स्रोत	बोअरवेल/कालवा	बोअरवेल/कालवा	बोअरवेल/कालवा									

कृपया नोंद घ्या की, हवामानाच्या परिस्थितीनुसार पिकाची वाढ आणि परिपक्वता वेगवेगळी असू शकते.

अनु. क्र.	**तपशील/कामकाज/प्रत्यक्ष कृती**	**कार्याचे तपशील. प्रति एकर उत्पादन**
1	क्षेत्राची योग्यता/कृषी-हवामान क्षेत्र	भोपळ्यासाठी उबदार, सूर्य प्रकाश असणारे हवामान योग्य असते ज्यांचे तापमान 21-35 ° अंश सेल्सिअस इष्टतम असते.
2	जमीन/माती	6.0-6.5 pH असलेली सेंद्रिय पदार्थांनी समृद्ध असलेली चांगल्या निचऱ्याची वाळू ते मध्यम जड माती.
3	हंगाम. पेरणी/लागवडीची वेळ	जानेवारी-एप्रिल (उन्हाळी काढणीसाठी); सप्टेंबर-ऑक्टोबर (वसंत ऋतूतील कापणीसाठी).
4	बियाणांचा दर पेरणी/लागवडीची पद्धत	400-500 ग्रॅम/एकर.
5	मुख्य शेताची तयारी आणि लागवड	नांगरणी करून मातीची चांगली मशागत करा, चांगले वाळलेले शेणखत वरवरच्या मातीत मिसळा आणि शिफारस केलेल्या अंतरानुसार रोपे लावा.
6	अंतर	(प्रत्येक वाफ्यामधील अंतर x प्रत्येक रोपांमधील अंतर): 2.5-3.0 मीटर 0.9-1.0 मीटर (वसंत ऋतू); 2.5-3.0 मीटर x 1.0-1.5 मीटर (उन्हाळा)
7	सेंद्रिय पदार्थ आणि खते	शेणखत 10-15 टन, नत्र 30 किलो, P2O5 32 किलो, K_2 32 किलो, CaO 12 किलो/एकर मूलभूत खत वापर.
8	पेरणीपूर्वी बियाणे प्रक्रिया	कोरड्या हवामानात आठवड्यातून दोनदा.
9	खुरपणी/ आंतरमशागत	विशेषतः सुरुवातीच्या काळात चांगल्या वाढीसाठी तणमुक्त वातावरण राखा. माती भरून आणि आच्छादन लावल्याने तण कमी होतात.
10	सूक्ष्म पोषक घटक/वाढ नियामक फवारण्या	2 ते 4 पानांच्या अवस्थेत NAA (100 ppm) आणि इथेल (25 ppm) फवारणी करून फुलोरा, फळधारणा, फळांचा आकार आणि एकूण उत्पादन वाढवता येते.
11	कीटक आणि रोग नियंत्रण	तुडतुडे: डायक्लोरव्होस 76% EC (6.5 मिली/10 लिटर), ट्रायक्लोरोफॉन 50% EC (1.0 मिली/लिटर). फ्युझेरियम मर रोग: कार्बेन्डाझिम 0.5 ग्रॅम/लि. किंवा मॅन्कोझेब 2 ग्रॅम/लि. दर 10-14 दिवसांनी फळमाशी: चिकट सापळा @4/एकर. कडुलिंबाचे तेल @ 3% पानांवर फवारणी म्हणून.
12	कापणी	फळे कच्ची हिरव्या रंगात किंवा पूर्ण पिकल्यावर, जेव्हा रंग पिवळा किंवा नारिंगीचा पिवळा किंवा नारिंगी पिवळा होतो तेव्हा काढावीत.
13	अपेक्षित उत्पादन/एकर	आदर्श परिस्थितीत चांगल्या प्रकारे व्यवस्थापित केलेल्या पिकामधून 8-10 टन उत्पादन मिळते.
17	साठवणूक	10-13° सेल्सिअस तापमानावर थंड, कोरड्या आणि हवेशीर जागेत साठवणे चांगले योग्यरित्या साठवले तर भोपळे अनेक महिने टिकू शकतात.
18	करू नका	DDT, लिंडेन 1.3%, डस्ट, कॉपर आणि सल्फर डस्ट वापरू नका. हे वनस्पतीसाठी विषारी असतात.
19	करा	योग्य जातीची निवड, भरपूर सूर्यप्रकाश आणि जागा उपलब्ध करून देणे. पुरेसे पाणी आणि खत देणे, प्रभावी कीटक आणि रोग नियंत्रण उपायांची अंमलबजावणी करणे.
नोंद	वरील माहिती मधून सामान्य सल्ले दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेशाशी संबंधित विशिष्ट शिफारसींसाठी कृपया तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संपर्क साधा.	
घेण्याची काळजी	पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पन्नावर विविध घटक परिणाम करू शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरली जात आहेत याची खात्री करा. बियाणे, खते आणि कीटकनाशके खरेदी करताना बिल बाळगा.	

ಕುಂಬಳಕಾಯಿ - ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳ ಪ್ಯಾಕೇಜ್

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದಿಂದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಕುಂಬಳಕಾಯಿ ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಆರಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಕುಂಬಳಕಾಯಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ದೃಢವಾದ ಅನುಭವವನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ನ ಕುಂಬಳಕಾಯಿ ಬೀಜಗಳು ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳಿಗೆ ಸಹಿಷ್ಣುತೆಯೊಂದಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಚೈತನ್ಯವನ್ನು ಒದಗಿಸುತ್ತವೆ.
ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಕುಂಬಳಕಾಯಿ	**ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಚಿತ್ರಾ, ಮಧು, ಚಿತ್ರಾ, ಮಧು**	**ಅಗ್ನಿ**	**ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಬಾನಿ, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಬಾನಿ, ಕಾಶಿ**								
ಅವಧಿ	105-115 ದಿನಗಳು	115- 125 ದಿನಗಳು	105-115 ದಿನಗಳು								
ಮುಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು								
ಹಿಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು								
ವಸಂತ	(ಆರಂಭಿಕ ವಸಂತ)	(ಆರಂಭಿಕ ವಸಂತ)	(ಆರಂಭಿಕ ವಸಂತ)								
ನೀರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ಬೋರ್‌ವೆಲ್/ಕಾಲುವೆ	ಬೋರ್‌ವೆಲ್/ಕಾಲುವೆ	ಬೋರ್‌ವೆಲ್/ಕಾಲುವೆ								

ದಯವಿಟ್ಟು ಗಮನಿಸಿ: ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ವತೆ ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿರಬಹುದು

ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	**ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು /ಪದ್ಧತಿ**	**ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಹರಿವು**
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ/ ಕೃಷಿ-ಹವಾಮಾನ ವಲಯ	ಕುಂಬಳಕಾಯಿಗಳು 21-35 º C ಅತ್ಯುತ್ತಮ ತಾಪಮಾನದೊಂದಿಗೆ ಬೆಚ್ಚಗಿನ, ಬಿಸಿಲು ಹವಾಮಾನಕ್ಕೆ ಸೂಕ್ತವಾಗಿವೆ
2	ಭೂಮಿ / ಮಣ್ಣು	ಉತ್ತಮ ನೀರು ಬಸಿದು ಹೋಗುವಂತಹ, ಸಾವಯವ ವಸ್ತುಗಳಿಂದ ಸಮೃದ್ಧವಾಗಿರುವ ಮತ್ತು pH 6.0 ರಿಂದ 6.5 ಇರುವ ಮರಳಿನಿಂದ ಮಧ್ಯಮ ಭಾರದ ಮಣ್ಣು ಸೂಕ್ತವಾಗಿದೆ.
3	ಋತು. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮಯ	ಜನವರಿ – ಏಪ್ರಿಲ್ (ಬೇಸಿಗೆ ಕೊಯ್ಲಿಗಾಗಿ); ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್ – ಅಕ್ಟೋಬರ್ (ವಸಂತ ಕೊಯ್ಲಿಗಾಗಿ).
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ವಿಧಾನ.	400-500 ಗ್ರಾಂ/ಎಕರೆ.
5	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟಿ	ಉಳುಮೆ ಮಾಡುವ ಮೂಲಕ ಮಣ್ಣನ್ನು ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಮೆಲ್ಲಗೆ ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಿ, ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕೊಟ್ಟಿಗೆ ಗೊಬ್ಬರ ಅನ್ನು ಮೇಲ್ಮಣ್ಣಿನೊಂದಿಗೆ ಬೆರೆಸಿ ಮತ್ತು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾದ ಅಂತರದ ಪ್ರಕಾರ ಮೊಳಕೆಗಳನ್ನು ನೆಡಲಾಗುತ್ತದೆ.
6	ಅಂತರ	(ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ x ಗಿಡದಿಂದ ಗಿಡಕ್ಕೆ): 2.5-3.0 ಮೀ x 0.9-1.0 ಮೀ (ವಸಂತ); 2.5-3.0 ಮೀ x 1.0-1.5 ಮೀ (ಬೇಸಿಗೆ)
7	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು	FYM @ 10-15 ಟನ್, N 30 ಕೆ.ಜಿ, P2O5 32 ಕೆ.ಜಿ, K_2O 32 ಕೆ.ಜಿ, CaO 12 ಕೆ.ಜಿ/ಎಕರೆ ಮೂಲ ಅನ್ವಯ.
8	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ	ಶುಷ್ಕ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ವಾರಕ್ಕೆ ಎರಡು ಬಾರಿ.
9	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು/ ಅಂತರ ಬೇಸಾಯ	ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಬೆಳವಣಿಗೆಗಾಗಿ ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಆರಂಭಿಕ ಹಂತಗಳಲ್ಲಿ ಕಳೆ ಮುಕ್ತ ವಾತಾವರಣವನ್ನು ನಿರ್ವಹಿಸಿ. ಮಣ್ಣು ಏರಿಸುವುದು ಮತ್ತು ಮಲ್ಚ್ ಬಳಕೆಯಿಂದ ಕಳೆಗಳು ಕಡಿಮೆಯಾಗುತ್ತವೆ.
10	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು	2 ರಿಂದ 4 ಎಲೆ ಹಂತದಲ್ಲಿ NAA (100 ppm) ಮತ್ತು ಎಥ್ರೆಲ್ (25 ppm) ಸಿಂಪಡಿಸುವುದರಿಂದ ಹೆಣ್ಣು ಹೂವಿನ ಪ್ರಮಾಣ, ಫಲ-ರಚನೆ, ಹಣ್ಣಿನ ಗಾತ್ರ ಮತ್ತು ಒಟ್ಟು ಇಳುವರಿಯನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸಬಹುದು.
11	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ	ಎಲೆಯಿಂದ ಜಿಗಿಯುವ ಕೀಟ: ಡೈಕ್ಲೋರ್ವಾಸ್ 76% EC (6.5 ಮಿ.ಲಿ/10 ಲೀ), ಟ್ರೈಕ್ಲೋರೋಫಾನ್ 50% EC (1.0 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀ). ಫ್ಯೂಸೇರಿಯಂ ಬಾಡುವಿಕೆ: ಕಾರ್ಬೆಂಡಜಿಮ್ 0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀ. ಅಥವಾ ಮ್ಯಾಂಕೋಝೆಬ್ 2 ಗ್ರಾಂ/ಲೀ ಪ್ರತಿ 10-14 ದಿನಗಳಿಗೆ ಹಣ್ಣಿನ ನೊಣ: ಸ್ಟಿಕಿ ಟ್ರ್ಯಾಪ್ @ 4/ಎಕರೆ. ಬೇವಿನ ಎಣ್ಣೆ @ 3% ಎಲೆಗಳ ಮೇಲೆ ಸಿಂಪಡಿಸಲು.
12	ಕೊಯ್ಲು	ಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ಅಪಕ್ವ (ಹಸಿರು) ಅಥವಾ ಸಂಪೂರ್ಣ ಪಕ್ವತೆಯಲ್ಲಿ, ಬಣ್ಣವು ಹಳದಿ ಅಥವಾ ಕಿತ್ತಳೆ ಅಥವಾ ಕಿತ್ತಳೆ ಹಳದಿಗೆ ಬದಲಾದಾಗ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಬೇಕು.
13	ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ/ಎಕರೆಗೆ	ಆದರ್ಶ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿದ ಬೆಳೆಯಲ್ಲಿ 8-10 ಟನ್ ಇಳುವರಿ ಸಿಗುತ್ತದೆ.
17	ಶೇಖರಣೆ	ತಂಪಾದ ಒಣ ಮತ್ತು ಗಾಳಿ ಪ್ರಸರಣವಾಗುವ ಜಾಗದಲ್ಲಿ @ 10-13º C ನಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಸಂಗ್ರಹಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ. ಸರಿಯಾಗಿ ಸಂಗ್ರಹಿಸಿದರೆ, ಕುಂಬಳಕಾಯಿಗಳು ಹಲವಾರು ತಿಂಗಳುಗಳವರೆಗೆ ಉಳಿಯಬಲ್ಲವು.
18	ಮಾಡಬೇಡಿ	DDT, ಲಿಂಡೇನ್ 1.3% ಧೂಳು, ತಾಮ್ರ ಮತ್ತು ಗಂಧಕ ಧೂಳನ್ನು ಬಳಸಬೇಡಿ. ಇವುಗಳು ಸಸ್ಯವಿಷಕಾರಿ.
19	ಮಾಡಬೇಕಾದವು	ಸರಿಯಾದ ತಳಿಯನ್ನು ಆಯ್ಕೆ ಮಾಡುವುದು, ಸಾಕಷ್ಟು ಸೂರ್ಯನ ಬೆಳಕು ಮತ್ತು ಜಾಗವನ್ನು ಒದಗಿಸುವುದು. ಸಾಕಷ್ಟು ನೀರಾವರಿ ಮತ್ತು ಗೊಬ್ಬರವನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸುವುದು, ಪರಿಣಾಮಕಾರಿ ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ಜಾರಿಗೊಳಿಸುವುದು.
ಸೂಚನೆ	ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.	
ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು	ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಇಳುವರಿಯು ವಿವಿಧ ಅಂಶಗಳಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರ ಬಳಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬಿಲ್‌ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.	

గుమ్మడికాయలో-పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజి

శుభాకాంక్షలు! క్రిస్టల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన గుమ్మడికాయ విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన గుమ్మడికాయ విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిస్టల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిస్టల్ అత్యాధునిక టెక్నాలజీలను పాటిస్తుంది. క్రిస్టల్ గుమ్మడికాయ విత్తనాలు బయోటిక్ & ఏబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే సామర్థ్యముతో అద్భుతమైన మొలకెత్తే తత్వాలను & మెరుగైన బలమును కలిగివుంటాయి.

అద్భుతమైన దిగుబడి కొరకు దయచేసి ఉత్తమమైన వ్యవసాయ ఆచరణలను పాయించండి. క్రింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్డాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు తీసుకునే ముందు ఈ సూచనలను చదవాలని మేము మిమ్మల్ని అభ్యర్థిస్తున్నాము.

హైబ్రిడ్ గుమ్మడికాయ	చిత్ర , మధు	అగ్ని	బాని , కాశి									
కాలము పరిమితి	105-115 DAS	115- 125 DAS	105-115 DAS									
ఖరీఫ్	అవును	అవును	అవును									
రబీ	అవును	అవును	అవును									
వసంత కాలము	(వసంత కాలములో తొందరగా)	(వసంత కాలములో తొందరగా)	(వసంత కాలములో తొందరగా)									
నీటి పారుదల వనరు	బోర్ బావి/కాలువ	బోర్ బావి/కాలువ	బోర్ బావి/కాలువ									

దయచేసి గమనించండి వాతావరణ పరిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్వము కాలము మారవచ్చు

క్ర. సం.	వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు	ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇన్పుట్
1	ప్రాంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ-వాతావరణ జోన్	గుమ్మడికాయలకు వెచ్చని, ఎండ వాతావరణము 21-35 ° C మధ్య ఉష్ణోగ్రత అనుకూలము
2	భూమి/మట్టి	బాగా నీరు ఇంకే ఇసుక నుంచి మధ్యస్థముగా సేంద్రీయ పదార్థాలలో పుష్కలత కలిగిన మట్టి నేలలు pH 6.0-6.5 వుండాలి.
3	కాలము. విత్తే/నాటే సమయము	జనవరి-ఏప్రిల్ (వేసవి కోత); సెప్టెంబర్-అక్టోబర్ (వసంత కాలము కోత).
4	విత్తనము రేట్. విత్తే/నాటే పద్ధతి.	400-500 గ్రాములు/ఎకరానికి.
5	ప్రధానమైన పొలమును తయారు చేయడము మరియు నాటడము	దున్నడము ద్వారా మట్టిని బాగా అనుకూలముగా చేయండి, బాగా క్యూర్ చేసిన ఎఫ్వైఎం (FYM) ని టాప్ మట్టితో మిక్స్ చేయండి మరియు మొలకలను సూచించిన ఖాళీ ప్రకారము నాటండి.
6	ఖాళీ ఇవ్వడము	(రో నుంచి రో x మొక్క నుంచి మొక్క): 2.5-3.0 m x 0.9-1.0 m (వసంతములో); 2.5-3.0 m x 1.0-1.5 m (వేసవిలో)
7	ఎరువులు మరియు ఫర్టిలైజర్లు	FYM @ 10-15 టన్నులు, N 30 కిలోలు, P2O5 32 కిలోలు, K_2O 32 కిలోలు, CaO 12 కిలోలు/ఎకరానికి బేసల్ అప్లికేషన్.
8	నీటి పారుదల షెడ్యూల్	పొడి కాలములో వారానికి రెండు సార్లు.
9	కలుపు మొక్కలు తీయడము/అంతర్గత కల్టివేషన్	సరిపడిన ఎదుగుదల కోసం కలుపు మొక్కలను తొలగించాలి, ముఖ్యముగా ముందరి దశలలో. మొక్కల మొదళ్ళలోని మట్టిని ఎత్తు చేయడము మరియు మల్చ్ ఉపయోగము కలుపు మొక్కలను తగ్గిస్తుంది.
10	సూక్ష్మపోషకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ స్ప్రేలు	మొక్కలు 2 నుంచి 4 ఆకుల దశలో వున్నప్పుడు NAA (100 ppm) మరియు ఎథ్రెల్ (25 ppm) పిచికారీ చేయడము ద్వారా ఆడ తత్వాలను, పళ్ళు ఏర్పడడము, పళ్ళ సైజు మరియు మొత్తము మీద దిగుబడిని పెంచవచ్చు.
11	చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్	తామర పురుగులు (లీఫ్ హాపర్): డైక్లోర్వోస్ 76% EC (6.5ml/10 లీటర్లకి), ట్రైక్లోరోఫోన్ 50% EC (1.0ml/లీటరు). ఫ్యుజారియం ఎండు తెగులు: ప్రతి 10-14 రోజులకి కార్బెన్డాజిమ్ 0.5 గ్రాములు/లీటరు లేదా మాన్కోజెబ్ 2 గ్రాములు/లీటరు పండు ఈగ: ఫ్లిక్కీ ట్రాప్ @4 /ఎకరానికి. ఆకుల మీద పిచికారీ వేప నూనె @ 3 %.
12	కోత	పళ్ళని పక్వానికి రాని దశ (ఆకుపచ్చ లేదా పూర్తి పక్వ దశ, అంటే వాటి రంగు పసుపుపచ్చ లేదా నారింజకి లేదా పసుపుపచ్చ లేదా నారింజ పసుపుపచ్చ మారుతుంది) లో కోత కోయాలి.
13	ఎకరానికి/ఆశించే దిగుబడి	సరైన పరిస్థితులలో బాగా మేనేజ్ చేసిన పంటకి 8-10 టన్నుల దిగుబడి వస్తుంది.
17	స్టోర్ చేయడము	చల్లని పొడి మరియు గాలి పారే ప్రదేశములో @ 10-13° C వద్ద బాగా స్టోర్ చేయవచ్చు. సరిగ్గా స్టోర్ చేస్తే, గుమ్మడికాయలను పలు నెలలు వరకూ వుంటాయి.
18	చేయకూడనివి	డిడిటి (DDT), లిండేన్ 1.3% డస్ట్, రాగి మరియు సల్ఫర్ డస్ట్ ఉపయోగించకండి. ఇవి మొక్కలకు హాని కలిగిస్తాయి.
19	చేయవలసినవి	సరైన వంగడము ఎంచుకోవడము, సరిపడిన సూర్యరశ్మి & ఖాళీ అందించడము. సరిపడిన నీరు పెట్టడము మరియు ఫర్టిలైజర్ వేయడము, ప్రభావవంతమైన చీడలు మరియు తెగులు నివారణ చర్యలు తీసుకోవడము.
గమనిక	పైన చెప్పబడిన సమాచారము సాధారణ సలహాలు మాత్రమే. ప్రత్యేక ప్రాంతాలకి సంబంధించిన ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ రాష్ట్ర స్థానిక వ్యవసాయ శాఖను సంప్రదించండి.	
జాగ్రత్తలు	పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాల వలన ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు సంప్రదించాలని సూచించడము జరిగింది. కేవలము అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనుల కొనుగోలు బిల్లులను మీ వద్ద వుంచుకోండి.	

அரசாணி - பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்

வாழ்த்துகள்! கிரிஸ்டல் குடும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த அரசாணி விதைகளில் ஒன்றைத் தேர்வு செய்துள்ளீர்கள். உயர் தர அரசாணி விதைகள் தயாரிப்பில் கிரிஸ்டல் நிறுவனம் மிகச் சிறந்த அனுபவம் கொண்டது. இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகசூல் தரும் கலப்பு பயிர்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவீன தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் பூசணி விதைகள் உயிரி சார் & உயிரி சாரா சூழல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் & வலிமை கொண்டவை.

மிகச் சிறந்த மகசூலைப் பெற, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.

லப்பு அரசான	Hyb. சித்ரா, Madhu; சித்ரா, Madhu	அக்னி	Hyb. பானி, Hyb. பானி, காசி									
காலம்	105-115 DAS	115-125 DAS	105-115 DAS									
காரீப்	ஆம்	ஆம்	ஆம்									
ராபி	ஆம்	ஆம்	ஆம்									
வசந்த காலம்	(முன்கூட்டிய வசந்த காலம்)	(முன்கூட்டிய வசந்த காலம்)	(முன்கூட்டிய வசந்த காலம்)									
பாசன ஆதாரம்	போர்வெல்/கால்வாய்	போர்வெல்/கால்வாய்	போர்வெல்/கால்வாய்									

வானிலை சூழல்களைப் பொறுத்து பயிர் வளர்ச்சி & முதிர்ச்சி மாறுபடலாம் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ளுங்கள்

வ.எண்.	விவரங்கள் / செயல்பாடுகள் / செய்முறை	செயல்முறைக்கான விவரங்கள். ஒரு ஏக்கருக்கான உர உள்ளீடு
1	பொருந்துகின்ற பரப்பளவு/ விவசாய-காலநிலை மண்டலம்	அரசாணிகள் சாதகமான வெப்பநிலையான 21-35 º C உள்ள சூடான, வெப்பமான காலநிலைகளுக்குப் பொருத்தமானவை.
2	நிலம் / மண்	pH 6.0-6.5 உடன் கரிம பொருள் நிறைந்த நீர் தேங்காத மணற்பாங்கான மண் முதல் நடுத்தரமான களிமண்.
3	பருவம். விதைத்தல்/நாற்று நடுவதற்கான நேரம்	ஜனவரி - ஏப்ரல் (கோடைகால அறுவடைக்கு); செப்டம்பர்-அக்டோபர் (வசந்தகால அறுவடைக்கு)
4	விதை விகிதம். விதைத்தல்/நாற்று நடும் முறை.	ஏக்கருக்கு 400-500 கிராம்
5	பிரதான நிலம் மற்றும் நாற்று நடுவதற்கான தயாரிப்பு	உழுது மண்ணை நன்கு பண்படுத்துங்கள், நன்கு தயாரிக்கப்பட்ட தொழு உரம் (FYM)-யை மேல் மண்ணுடன் கலந்திடுங்கள். நாற்றுகளைப் பரிந்துரைத்த இடைவெளியின் படி நடவு செய்யுங்கள்.
6	இடைவெளி	(வரிசை முதல் வரிசை x தாவரம் முதல் தாவரம் வரை): 2.5-3.0 மீ x 0.9-1.0 மீ (வசந்த காலம்); 2.5-3.0 மீ x 1.0-1.5 மீ (கோடை காலம்)
7	எருக்கள் மற்றும் உரங்கள்	அடி உரமாக ஏக்கருக்கு FYM @ 10-15 டன், N 30 கிலோ, P2O5 32 கிலோ, K_2O 32 கிலோ, CaO 12 கிலோ போட வேண்டும்.
8	பாசன அட்டவணை	வாரம் இரண்டு முறை பாசனம் செய்ய வேண்டும்.
9	களை அகற்றுதல்/ ஊடு பயிரிடுதல்	குறிப்பாக, தொடக்க நிலைகளில் சிறப்பான வளர்ச்சிக்கு களை இல்லா சூழலைப் பராமரியுங்கள். மண்ணைக் குவித்தல் & தழைக்கூளத்தின் பயன்பாடு களைகளைக் குறைக்கிறது.
10	நுண் ஊட்டச்சத்து/வளர்ச்சியை ஒழுங்குபடுத்தும் தெளிப்புகள்	NAA (100 பிபிஎம் (ppm)) மற்றும் எதிரேல் (25 ppm) 2 முதல் 4 இலை நிலையில் தெளிக்கப்படுதன் வாயிலாக பெண்தன்மை, பழ-தொகுப்பு, பழ அளவு மற்றும் மொத்த மகசூலை அதிகரிக்கலாம்.
11	பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாடு	பச்சை தத்துப்பூச்சி: டைக்ளோர்வோஸ் 76% இசி (EC) (10 லிட்டருக்கு 6.5 மிலி), டிரைக்ளோரோபோன் 50% EC (லிட்டருக்கு 1.0 மிலி). பியூசேரியம் வாடல் நோய்: ஒவ்வொரு 10-14 நாட்களுக்கு ஒருமுறை கார்பன்டாசிம் லிட்டருக்கு 0.5 கிராம் அல்லது மான்கோசெப் லிட்டருக்கு 2 கிராம் பழ ஈ: ஒட்டிக்கொள்ளும் டிராப் @ ஏக்கருக்கு 4 இலை தெளிப்பாக வேப்பெண்ணெய் @ 3%
12	அறுவடை	முதிர்வடையா நிலையில் பழங்களை அறுவடை செய்ய வேண்டும் (பச்சை அல்லது முழு முதிர்ச்சியில், நிறமானது மஞ்சளாகும் போது அல்லது ஆரஞ்சில் இருந்து மஞ்சளாவது அல்லது ஆரஞ்சு மஞ்சள் நிலையில்)
13	ஒரு ஏக்கருக்கு கிடைக்கக்கூடிய மகசூல்	சாதகமான நிலைகளில், ஒரு நன்கு பராமரிக்கப்பட்ட பயிரில் இருந்து 8-10 டன் மகசூல் பெறலாம்.
17	சேமிப்பகம்	சிறப்பான சேமிப்பிற்கு @ 10-13º C-ல் ஒரு குளிர்ந்த, உலர்வான மற்றும் காற்றோட்டமான இடம் போதும். சரியாகப் பராமரிக்கப்பட்டால், பூசணிகள் பல மாதங்களுக்கு நீடித்து இருக்கும்.
18	செய்யக்கூடாதவை	டிடிடி (DDT), லிண்டேன் 1.3% டஸ்ட், காப்பர் மற்றும் சல்பர் டஸ்ட்டைப் பயன்படுத்தாதீர்கள். இவை தாவரத்திற்கு நஞ்சை உண்டாக்குபவை.
19	செய்ய வேண்டியவை	சரியான வகையைத் தேர்ந்தெடுத்து, போதுமான சூரிய ஒளி & இடைவெளியை அளிக்க வேண்டும். போதுமான பாசனம் மற்றும் உரத்தைப் போட்டு, சிறப்பான பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாட்டு நடவடிக்கைகளைச் செயல்படுத்துதல்.
குறிப்பு	மேற்கண்ட தகவல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல். குறிப்பிட்ட பகுதிக்கான தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு, உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளூர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்.	
முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகள்	பல்வேறு காரணிகளால், பயிர் வளர்ச்சி மற்றும் மகசூல் பாதிக்கப்படலாம். எனவே, ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் மட்டுமே பயன்படுத்தப்படுகிறது என்பதை உறுதி செய்யுங்கள். விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரசீதுகளைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.	

ਕੱਦੂ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦੇ ਤਰੀਕੇ

ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਕੱਦੂ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਬੀਜ ਚੁਣਿਆ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੰਪਨੀ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਕੱਦੂ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੱਦੂ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚ ਉਗਣ ਦੀ ਉੱਚ ਸਮਰੱਥਾ, ਬੂਟਿਆਂ ਦਾ ਮਜ਼ਬੂਤ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਰੋਗ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਚੰਗੀ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਕੱਦੂ	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਚਿੜ੍ਹਾ' ਮਧੁ' ਚਿੜ੍ਹਾ' ਮਧੁ	ਅਗ੍ਨਿ	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਬਾਨੀ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਬਾਨੀ' ਕਾਸ਼ੀ									
ਮਿਆਦ	105-115 DAS	115- 125 DAS	105-115 DAS									
ਖ਼ਰੀਫ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ									
ਰਬੀ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ									
ਸਪ੍ਰਿੰਗ	(ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਬਸੰਤ)	(ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਬਸੰਤ)	(ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਬਸੰਤ)									
ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋ	ਬੇਰਵੈੱਲ/ਕਨਾਲ	ਬੇਰਵੈੱਲ/ਕਨਾਲ	ਬੇਰਵੈੱਲ/ਕਨਾਲ									

ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪੱਕਤਾ ਮੌਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ	ਕੰਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਇਨਪੁਟ
1	ਖੇਤਰ/ਖੇਤੀ-ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ	ਕੱਦੂ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਲਈ ਗਰਮ ਅਤੇ ਧੁੱਪ ਵਾਲਾ ਮੌਸਮ ਸਹੀ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ, ਜਿਸ ਦਾ ਸਰਵੋਤਮ ਤਾਪਮਾਨ 21-35°C ਹੁੰਦਾ ਹੈ।
2	ਜ਼ਮੀਨ / ਮਿੱਟੀ	ਕੱਦੂ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਲਈ ਰੇਤਲੀ ਤੋਂ ਦਰਮਿਆਨੀ ਭਾਰੀ, ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ ਨਾਲ ਭਰਪੂਰ ਮਿੱਟੀ, ਜਿਸਦੀ pH 6.0-6.5 ਹੋਵੇ, ਵਾਜਬ ਹੈ।
3	ਮੌਸਮ। ਬਿਜਾਈ/ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਜਨਵਰੀ - ਅਪ੍ਰੈਲ (ਗਰਮੀਆਂ ਦੀ ਵਾਢੀ ਲਈ); ਸਤੰਬਰ - ਅਕਤੂਬਰ (ਬਸੰਤ ਦੀ ਵਾਢੀ ਲਈ)।
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ। ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ।	400-500 ਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ।
5	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ	ਮਿੱਟੀ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਿਆਰ ਕਰੋ, ਇਸਨੂੰ ਵਾਹੋ, ਉੱਪਰਲੀ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੁੱਕੀ ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ ਮਿਲਾਓ ਅਤੇ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੇ ਗਏ ਵਿੱਥ 'ਤੇ ਬੂਟੇ ਲਗਾਓ।
6	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ	(ਕਤਾਰ ਤੋਂ ਕਤਾਰ x ਬੂਟੇ ਤੋਂ ਬੂਟੇ): 2.5-3.0 ਮੀਟਰ x 0.9-1.0 ਮੀਟਰ (ਬਸੰਤ); 2.5-3.0 ਮੀਟਰ x 1.0-1.5 ਮੀਟਰ (ਗਰਮੀਆਂ)
7	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ	FYM @ 10-15 t, N 30 kg, P2O5 32 kg, K2O 32 kg, CaO 12 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ ਬੇਸਲ ਵਰਤੋਂ।
8	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣੀ	ਖੁਸ਼ਕ ਮੌਸਮ ਵਿੱਚ ਹਫ਼ਤੇ ਵਿੱਚ ਦੋ ਵਾਰ।
9	ਖੇਤ ਦੀ ਨਦੀਨ-ਨਾਸ਼ਕੀ/ ਰੁਕ-ਰੁਕ ਕੇ ਵਾਹੀ	ਫਸਲ ਦੇ ਸਹੀ ਵਾਧੇ ਲਈ, ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਪੜਾਵਾਂ ਵਿੱਚ, ਨਦੀਨ-ਮੁਕਤ ਵਾਤਾਵਰਣ ਬਣਾਈ ਰੱਖੋ। ਮਿੱਟੀ ਭਰਨਾ ਅਤੇ ਮਲਚਿੰਗ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਨਦੀਨਾਂ ਦੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਕਰਦੀ ਹੈ।
10	ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ	2-4 ਪੱਤਿਆਂ ਦੇ ਪੜਾਅ 'ਤੇ NAA 100 ppm ਅਤੇ ਐਥਰਲ 25 ppm ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਨਾਰੀਕਰਨ, ਫਲ ਦੇਣ, ਫਲਾਂ ਦੇ ਆਕਾਰ ਅਤੇ ਕੁੱਲ ਝਾੜ ਵਿੱਚ ਵਾਧਾ ਕਰਦਾ ਹੈ।
11	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਨਿਯੰਤਰਣ	ਲੀਫ ਹੌਪਰ: ਡਾਈਕਲੋਰਵੋਸ 76% EC (6.5 ਮਿ.ਲੀ./10 ਲੀਟਰ), ਟ੍ਰਾਈਕਲੋਰੋਫੋਨ 50% EC (1.0 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ)। ਫਰੂਿਟ ਫਲਾਈ: ਹਰ 10-14 ਦਿਨਾਂ ਲਈ ਕਾਰਬੈਂਡਾਜ਼ਿਮ 0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ ਜਾਂ ਮੈਨਕੋਜ਼ੇਬ 2 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ ਫਰੂਟ ਫਲਾਈ: ਸਟਿੱਕੀ ਟਰੈਪ @4/ਏਕੜ। ਪੌਤਿਆਂ 'ਤੇ ਛਿੜਕਾਅ ਵਜੋਂ ਨਿੰਮ ਦਾ ਤੇਲ @ 3%।
12	ਵਾਢੀ	ਫਲਾਂ ਦੀ ਕਟਾਈ ਕੱਚੇ (ਹਰੇ) ਪੜਾਅ 'ਤੇ ਜਾਂ ਪੂਰੀ ਪੱਕਣ 'ਤੇ ਕਰੋ, ਜਦੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਰੰਗ ਪੀਲਾ, ਸੰਤਰੀ ਜਾਂ ਪੀਲਾ-ਸੰਤਰੀ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।
13	ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ/ਏਕੜ	ਸਹੀ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਬੰਧਿਤ ਫ਼ਸਲ 8-10 ਟਨ ਪੈਦਾਵਾਰ ਦਿੰਦੀ ਹੈ।
17	ਸਟੋਰੇਜ	ਠੰਢੀ, ਸੁੱਕੀ ਅਤੇ ਹਵਾਦਾਰ ਜਗ੍ਹਾ 'ਤੇ 10-13° C 'ਤੇ ਸਟੋਰ ਕਰਨਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ। ਸਹੀ ਸਟੋਰੇਜ ਹਾਲਤਾਂ ਦੇ ਤਹਿਤ, ਕੱਦੂ ਮਹੀਨਿਆਂ ਤੱਕ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ।
18	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ	ਇਸਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਵਿੱਚ DDT, ਲਿੰਡੇਨ 1.3% ਡੁਸਟ, ਕਾਪਰ ਅਤੇ ਸਲਫ਼ਰ ਡੁਸਟ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨਹੀਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ। ਇਹ ਫਾਈਟੋਟੈਕਸਿਕ ਹਨ।
19	ਕੀ ਕਰੋ	ਸਹੀ ਕਿਸਮ ਦੀ ਚੋਣ ਕਰਨਾ, ਕਾਫ਼ੀ ਧੁੱਪ ਅਤੇ ਜਗ੍ਹਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨਾ। ਸਹੀ ਸਿੰਚਾਈ ਅਤੇ ਖਾਦ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨਾ ਅਤੇ ਕੀਟਾਂ ਅਤੇ ਰੋਗਾਂ ਦੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਲਈ ਪ੍ਰਭਾਵੀ ਉਪਾਅ ਕਰਨਾ।
ਨੋਟ	ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।	
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ	ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੋ।	

কুমড়ো- চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উৎকৃষ্ট কুমড়োর বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের কুমড়ো বীজগুলি উৎপাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উৎপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের কুমড়ো বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অঙ্কুরোদ্গম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে। অনুগ্রহ করে চমৎকার ফলন পেতে সর্বোত্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

হাইব্রিড কুমড়ো	**হাইব্রিড. চিত্রা, মধু, চিত্রা, মধু**	**অগ্নি**	**হাইব্রিড. বানী, হাইব্রিড. বানী, কাশী**									
সময়সীমা	105-115 DAS	115- 125 DAS	105-115 DAS									
খরিফ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ									
রবি	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ									
বসন্ত	(শুরুর বসন্ত)	(শুরুর বসন্ত)	(শুরুর বসন্ত)									
সেচের উৎ	বোরওয়েল/নালা	বোরওয়েল/নালা	বোরওয়েল/নালা									

অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে

ক্রমিক নম্বর	**বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি**	**প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ**
1	এলাকার উপযোগিতা/ কৃষি-জলবায়ু জোন	কুমড়ো গরম এবং রোদেলা আবহাওয়ার জন্য উপযুক্ত, যেখানে সর্বোত্তম তাপমাত্রা 21-35 ° C
2	জমি / মাটি	ভালভাবে নিঃসৃত বালি থেকে মাঝারি ভারী মাটি, যা pH 6.0-6.5 সহ জৈব পদার্থে সমৃদ্ধ।
3	ঋতু। বপন/রোপণের সময়	জানুয়ারি – এপ্রিল (গ্রীষ্মকালে ফসল কাটার জন্য); সেপ্টেম্বর – অক্টোবর (বসন্তকালে ফসল কাটার জন্য)।
4	বীজের হার। বপন/রোপণের পদ্ধতি।	400-500গ্রাম/একর।
5	মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ	মাটিকে সূক্ষ্ম চাষযোগ্য অবস্থা তৈরি করতে নাড়াচাড়া করা হয়, এরপর ভালোভাবে সেচা এবং FYM এর সাথে উপরের মাটি মিশানো হয় এবং চারা নির্ধারিত ফাঁকফোঁক অনুযায়ী রোপণ করা হয়।
6	ফাঁক	(সারি থেকে সারি x উদ্ভিদ থেকে উদ্ভিদ): 2.5-3.0 মিটার x 0.9-1.0 মিটার (বসন্তকাল); 2.5-3.0 মিটার x 1.0-1.5 মিটার (গ্রীষ্মকাল)
7	জৈব এবং রাসায়নিক সার	FYM @ 10-15 t, N 30 কোজ, P2O5 32 কোজ, K2O 32 কোজ, CaO 12 কেজি/একর বেসাল প্রয়োগ।
8	সেচের সময়সূচী	শুকনো সময়ে সপ্তাহে দুইবার।
9	আগাছা নিবারণ/ মধ্যশস্য পরিচর্যা	সর্বোত্তম বিকাশ নিশ্চিত করতে আগাছামুক্ত পরিবেশ বজায় রাখতে হবে, বিশেষ করে চাষের প্রাথমিক পর্যায়ে। মাটি তোলা এবং মাল্চ ব্যবহার আগাছা কমানো।
10	ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান	নারীত্ব, ফল সেট, ফলের আকার এবং মোট ফলন বাড়ানোর জন্য 2 থেকে 4 পাতা অবস্থায় NAA (100 ppm) এবং ইথ্রেল (25 ppm) ছিটানো যেতে পারে।
11	কীট এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ	পাতা হপার: ডাইক্লোরভোস 76% EC (6.5মিলিলিটার/10 লিটার), ট্রাইক্লোরোফন 50% EC (1.0মিলিলিটার/লিটার)। ফুসারিয়াম উইল্ট্র কার্বেনডাজিম 0.5গ্রাম/লিটার অথবা প্রত্যেক 10-14 দিনের জন্য মানকোজেব 2গ্রাম/লিটার ফলের মাছি: স্টিকি ট্র্যাপ @4/একর। ফলিয়র ছিটান হিসাবে নিম তেল @ 3 %।
12	ফসল কাটা	ফল কেটে নেওয়া উচিং কাঁচা অবস্থায় (সবুজ) অথবা সম্পূর্ণ পরিপক্ক হলে, যখন রঙ হলুদ অথবা কমলা থেকে হলুদে পরিবর্তিত হয়।
13	প্রত্যাশিত ফলন/ একর	ভালোভাবে পরিচালিত ফসল থেকে আদর্শ অবস্থায় 8-10 টন ফলন পাওয়া যায়।
17	সংরক্ষণ	ঠাণ্ডা শুকনো এবং বাতাসবিহীন স্থানে @ 10-13° C তাপমাত্রায় সেরা সংরক্ষণ করা যায়। যদি সঠিকভাবে সংরক্ষণ করা হয়, কুমড়ো কয়েক মাস পর্যন্ত স্থায়ী হতে পারে।
18	করবেন না	DDT, লিন্ডেন 1.3% ধুলো, তামা এবং সালফার ধুলো ব্যবহার করবেন না। এগুলি উদ্ভিদের জন্য বিষাক্ত।
19	করবেন	সঠিক জাত নির্বাচন করা, পর্যাপ্ত রোদ এবং স্থান প্রদান করা। পর্যাপ্ত সেচ এবং সার ব্যবস্থাপনা নিশ্চিত করা, পাশাপাশি কার্যকর কীটপতঙ্গ এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ ব্যবস্থা গ্রহণ করা।
দ্রষ্টব্য	উপরের তথ্যটি একটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে	
সতর্কতা	ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে যোগাযোগ করা সুপারিশ করা হচ্ছে। নিশ্চিত করুন যে শুধুমাত্র উচ্চমানের সার এবং কীটনাশক ব্যবহার করা হচ্ছে। বীজ, সার এবং কোটনাশক ক্রয় করার রশিদ রাখুন।	

କଖାରୁ-ଉନ୍ନତ କୃଷି ପ୍ରଣାଳୀ

ଅଭିନନ୍ଦନ! ଆପଣ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ ପରିବାରର ସର୍ବୋତ୍ତମ କଖାରୁ ମଞ୍ଜି ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିଏ ବାଛିଛନ୍ତି। ଉଚ୍ଚମାନର କଖାରୁ ମଞ୍ଜି ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ଦୃଢ଼ ଅଭିଜ୍ଞତା ରହିଛି। ଏହି ବିହନଗୁଡ଼ିକ ବ୍ୟାପକ ଗବେଷଣାର ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଜଳବାୟୁ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଉଚ୍ଚ-ଅମଳକ୍ଷମ ହାଇବ୍ରିଡ୍ ଫସଲ ବିକଶିତ କରିବା ଅଟେ। ଚାଷୀମାନେ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ଗୁଣବତ୍ତାର ବିହନ ପାଇବା ନିଶ୍ଚିତ କରିବା ପାଇଁ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ୍ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ ନୂତନତମ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଗ୍ରହଣ କରେ। କ୍ରିଷ୍ଟାଲର କଖାରୁ ମଞ୍ଜି ଜୈବ ଏବଂ ଅଜୈବିକ ଚାପ ପ୍ରତି ସହନଶୀଳତା ସହିତ ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅଙ୍କୁରୋଦଗମ ଏବଂ ଉନ୍ନତ ଶକ୍ତି ପ୍ରଦାନ କରିଥାଏ।

ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅମଳ ପାଇବା ପାଇଁ ଦୟାକରି ସର୍ବୋତ୍ତମ କୃଷି ପଦ୍ଧତି ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ। ନିମ୍ନଲିଖିତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି, ତେଣୁ କୌଣସି ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକୁ ପଢ଼ି ନେବାକୁ ଆମେ ଆପଣଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।

କଖାରୁ ହାଇବ୍ରିଡ	Hyb. ଚିତ୍ର, ମଧୁ, ଚିତ୍ର, ମଧୁ	ଅଗ୍ନି	Hyb. ବନି, Hyb. ବନି, କାଶୀ									
ଅବଧି	105-115 DAS	115- 125 DAS	105-115 DAS									
ଖରିଫ	ହଁ	ହଁ	ହଁ									
ରବି	ହଁ	ହଁ	ହଁ									
ବସନ୍ତ	(ବସନ୍ତ ଋତୁର ପ୍ରାରମ୍ଭ)	(ବସନ୍ତ ଋତୁର ପ୍ରାରମ୍ଭ)	(ବସନ୍ତ ଋତୁର ପ୍ରାରମ୍ଭ)									
ଜଳସେଚନର ସ	ବୋରୱେଲ/କେନାଲ୍	ବୋରୱେଲ/କେନାଲ୍	ବୋରୱେଲ/କେନାଲ୍									

ଦୟାକରି ଧ୍ୟାନ ଦିଅନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଗ ପରିସ୍ଥିତି ଅନୁସାରେ ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ପରିପକ୍ୱତା ଭିନ୍ନ ହୋଇପାରେ।

କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା	ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ	କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଇନପୁଟ୍
1	କ୍ଷେତ୍ର/କୃଷି-ଜଳବାୟୁ କ୍ଷେତ୍ରର ଉପଯୁକ୍ତତା	କଖାରୁ 21-35 ° C ର ସର୍ବୋତ୍ତମ ତାପମାତ୍ରା ସହିତ ଉଷ୍ମ, ସୂର୍ଯ୍ୟାଲୋକ ଜଳବାୟୁ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଅଟେ ।
2	ଭୂମି / ମାଟି	6.0-6.5 pH ସହିତ ଜୈବିକ ପଦାର୍ଥରେ ସମୃଦ୍ଧ ଭଲ ଭାବରେ ନିଷ୍କାସିତ ବାଲୁକାରୁ ମଧ୍ୟମ ଭାରୀ ମାଟି ଅଟେ ।
3	ବୁଣିବା ଋତୁ/ରୋପଣ ସମୟ	ଜାନୁଆରୀ-ଏପ୍ରିଲ (ଗ୍ରୀଷ୍ମ ଅମଳ ପାଇଁ) ସେପ୍ଟେମ୍ବର-ଅକ୍ଟୋବର (ବସନ୍ତ ଅମଳ ପାଇଁ)
4	ବିହନ ହାର ବୁଣିବା/ରୋପଣ ପଦ୍ଧତି	400-500 ଗ୍ରାମ୍/ ଏକର
5	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଏବଂ ରୋପଣ	ଚାଷ କରି ମୃତ୍ତିକାକୁ ଏକ ସୂକ୍ଷ୍ମ ଚାଷ ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରନ୍ତୁ, ଭଲ ଭାବେ ଆରୋଗ୍ୟ ହୋଇଥିବା ଏଫ. ଆଇ. ଏମ. କୁ ଉପର ମାଟି ସହିତ ମିଶାଯାଏ ଏବଂ ସୁପାରିସ କରାଯାଇଥିବା ବ୍ୟବଧାନ ଅନୁଯାୟୀ ଚାରା ରୋପଣ କରାଯାଏ।
6	ବ୍ୟବଧାନ	(ଧାଡ଼ି ର ଧାଡ଼ି x ଗଛ ର ଗଛ): 2.5-3.0 ମି x 0.9-1.0 ମି (ବସନ୍ତ); 2.5-3.0 ମି x 1.0-1.5 ମି (ଗ୍ରୀଷ୍ମ)
7	ଖତ ଏବଂ ସାର	FYM @10-15 t, ନାଇଟ୍ରୋଜେନ୍ (N) – 30 କି.ଗ୍ରା., ଫସ୍‌ଫୋରସ୍ (P_2O_5) – 32 କି.ଗ୍ରା., ପୋଟାସ୍ (K_2O) – 32 କି.ଗ୍ରା.,ଏବଂ କ୍ୟାଲସିୟମ୍ ଅକ୍ସାଇଡ୍ (CaO) – 12 କି.ଗ୍ରା./ଏକର ବାସାଲ ପ୍ରୋୟୋଗ।
8	ଜଳସେଚନ ସମୟସୂଚୀ	ଶୁଖିଲା ପାଗ ସମୟରେ ସପ୍ତାହରେ ଦୁଇଥର।
9	ଘାସ ବାଛିବା/ଅନ୍ତଃଚାଷ	ସର୍ବୋତ୍ତମ ବୃଦ୍ଧି ପାଇଁ, ବିଶେଷ କରି ପ୍ରାରମ୍ଭିକ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ, ଆଗାଛା ମୁକ୍ତ ପରିବେଶ ବଜାୟ ରଖନ୍ତୁ। ମୃତ୍ତିକା ଉତ୍ତୋଳନ ଏବଂ ମଲ୍ଚ ବ୍ୟବହାର କରିବା ଦ୍ୱାରା ଅନାବନା ଘାସ ହ୍ରାସ ପାଇଥାଏ।
10	ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ	2 ରୁ 4 ପତ୍ର ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ଏନ୍. ଏ. ଏ. (100 ପି. ପି. ଏମ୍.) ଏବଂ ଇଥ୍ରେଲ୍ (25 ପି. ପି. ଏମ୍.) ସିଞ୍ଚନ ଦ୍ୱାରା ସ୍ତ୍ରୀ ଫୁଲର ସଂଖ୍ୟା, ଫଳ ଧରିବାର ହାର, ଫଳର ଆକାର ଏବଂ ସମୁଦାୟ ଉତ୍ପାଦନ ବୃଦ୍ଧି କରାଯାଇପାରିବ।
11	କୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ରୋଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ	ପତ୍ର କୀଟ: ଡିକ୍ଲୋରୋଭସ୍ 76% ଇସି (6.5 ମିଲି/10 ଲିଟର), ଟ୍ରାଇକ୍ଲୋରୋଫୋନ୍ 50% ଇସି (1.0 ମିଲି/ଲିଟର) ଫୁସାରିୟମ୍ ୱିଲ୍ଟ୍ (ଝାଉଳା ରୋଗ): କାର୍ବେନଡାଜିମ୍ 0.5 ଗ୍ରାମ୍/ଲିଟର କିମ୍ବା ମାନକୋଜେବ 2ଗ୍ରା.ମ./ଲିଟର ପ୍ରତି 10-14 ଦିନ ପାଇଁ ଫଳ ମାଛି: ଷ୍ଟିକି ଟ୍ରାପ୍ @4/ଏକର। ନିମ୍ ତେଲ @3% ପତ୍ର ସ୍ପ୍ରେ ଭାବରେ
12	ଅମଳ	ଅପରିପକ୍ୱ ସମୟରେ (ସବୁଜ କିମ୍ବା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ପରିପକ୍ୱତା ସମୟରେ, ଯେତେବେଳେ ରଙ୍ଗ ହଳଦିଆ କିମ୍ବା କମଳା ହଳଦିଆ କିମ୍ବା କମଳା ହଳଦିଆ ହୋଇଯାଏ) ଫଳ ଅମଳ କରାଯାଏ।
13	ଆଶାକରାଯାଇଥିବା ଅମଳ/ଏକର	ଆଦର୍ଶ ପରିସ୍ଥିତିରେ ଭଲ ଭାବରେ ପରିଚାଳିତ ଫସଲରେ 8-10 ଟନ୍ ଉତ୍ପାଦନ କରେ
17	ସଂରକ୍ଷଣ	ଏକ ଥଣ୍ଡା ଶୁଖିଲା ଏବଂ ଭେଣ୍ଟିଲେଟେଡ୍ ସ୍ଥାନରେ @10-13° C ରେ ସର୍ବୋତ୍ତମ ସଂରକ୍ଷଣ ଯଦି ଏହାକୁ ସଠିକ୍ ଭାବେ ରଖାଯାଏ, ତେବେ କଖାରୁ ଅନେକ ମାସ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ତିଷ୍ଠି ରହିପାରେ।
18	କରନ୍ତୁ ନାହିଁ	ଡିଡିଟି, ଲିଣ୍ଡେନ୍ 1.3% ଧୂଳି, ତମ୍ବା ଏବଂ ସଲଫର୍ ଧୂଳି ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ନାହିଁ। ଏଗୁଡ଼ିକ ଫାଇଟୋଟକ୍ସିକ।
19	କରନ୍ତୁ	ଉପଯୁକ୍ତ କିସମ ଚୟନ କରିବା, ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ସୂର୍ଯ୍ୟାଲୋକ ଏବଂ ସ୍ଥାନ ପ୍ରଦାନ କରିବା ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ ଅଟେ । ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ଜଳଯୋଗାଣ ଏବଂ ଉର୍ବରକରଣ ସୁନିଶ୍ଚିତ କରିବା, ଫଳପ୍ରଦ କୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ରୋଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ପଦକ୍ଷେପ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ କରିବା ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ ଅଟେ ।
ଟିପ୍ପଣୀ	ଉପରୋକ୍ତ ସୂଚନା ଏକ ସାଧାରଣ ପରାମର୍ଶ ଅଟେ। ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚଳର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଗ ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ।	
ସତର୍କତା	ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମଳ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ। ତେଣୁ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁପାରିଶ କରାଯାଉଛି। ନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ ଯେ କେବଳ ଉଚ୍ଚମାନର ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ କ୍ରୟ କରିବାର ରସିଦ ଆପଣଙ୍କ ପାଖରେ ରଖନ୍ତୁ।	

ৰঙালাউ- অনুশীলনৰ পেকেট
অভিনন্দন! আপুনি ক্রিষ্টেল পৰিয়ালৰ শ্ৰেষ্ঠতম ৰঙালাউৰ বীজ এটা বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ ৰঙালাউ বীজ উৎপাদনত ক্রিষ্টেলৰ যথেষ্ট অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্রিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্রিষ্টেলে শেহতীয়া প্রযুক্তি গ্রহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্রিষ্টেলৰ ৰঙালাউ বীজৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্রতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অংকুৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্রদান কৰে। অনুগ্রহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ কৰি উৎকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্রদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

হাইব্রিড ৰঙালাউ	হাইব্রিড. চিত্রা, মধু, চিত্রা, মধু	অগ্নি	হাইব্রিড. বানী, হাইব্রিড. বানী, কাশী	
সময়কাল	105-115 DAS	115- 125 DAS	105-115 DAS	
খাৰিফ	হয়	হয়	হয়	
ৰবি	হয়	হয়	হয়	
বসন্ত	(বসন্তৰ আৰম্ভণি)	(বসন্তৰ আৰম্ভণি)	(বসন্তৰ আৰম্ভণি)	
জলসিঞ্চনৰ	ব'ৰৱেল/কেনেল	ব'ৰৱেল/কেনেল	ব'ৰৱেল/কেনেল	

অনুগ্রহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।

ক্রমিক নম্বৰ	সবিশেষ/কার্য্য/অনুশীলন	কার্যৰ বিৱৰণ, প্রতি একৰ ইনপুট
1	অঞ্চলটোৰ উপযোগীতা/ কৃষি জলবায়ু অঞ্চল	কুমলীয়া ৰঙালাউ উষ্ণ, ৰ'দঘাই জলবায়ুৰ বাবে উপযোগী আৰু ইয়াৰ অনুকূল তাপমাত্রা 21-35 ° C
2	ভূমি / মাটি	ভালদৰে পানী ওলাই যোৱা বালিৰ পৰা মধ্যমীয়া গধুৰ মাটি জৈৱিক পদার্থৰে সমৃদ্ধ আৰু pH 6.0-6.5।
3	ঋতু বীজ সিঁচাৰ/পলোৱাৰ সময়	জানুৱাৰী – এপ্রিল (গ্রীষ্মকালীন চপোৱাৰ বাবে); ছেপ্টেম্বৰ – অক্টোবৰ (বসন্ত চপোৱাৰ বাবে)।
4	বীজৰ হাৰ। বীজ সিঁচা/পলোৱা পদ্ধতি	400-500 গ্রাম/বিঘা।
5	মূল পথাৰৰ প্রস্তুতি আৰু ৰোপণ	হাল বাই মাটিখিনি মিহিকৈ খেতি কৰিবলৈ প্রস্তুত কৰক, ভালদৰে নিৰাময় কৰা এফ ৰাই এম ওপৰৰ মাটিৰ লগত মিহলাই পৰামর্শ দিয়া ব্যৱধান অনুসৰি পুলি ৰোপণ কৰা হয়।
6	ব্যৱধান	(শাৰীৰ পৰা শাৰীলৈ x উদ্ভিদৰ পৰা উদ্ভিদলৈ): 2.5-3.0 মিটাৰ x 0.9-1.0 মিটাৰ (বসন্ত); 2.5-3.0 মিটাৰ x 1.0-1.5 মিটাৰ (গ্রীষ্মকালীন)
7	সাৰ আৰু সাৰুৱা পদার্থ	FYM @ 10-15 টন, N 30 কেজি, P2O5 32 কেজি, K2O 32 কেজি, CaO 12 কেজি/ একৰ ভিত্তি প্রয়োগ।
8	জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী	শুকান কালত সপ্তাহত দুবাৰকৈ।
9	অপতৃণ/ আন্তঃখেতি	বিশেষকৈ প্রাৰম্ভিক পর্যায়ত অনুকূল বৃদ্ধিৰ বাবে অপতৃণমুক্ত পৰিৱেশ বজাই ৰাখক। মাটিত পেলোৱা আৰু মালচৰ ব্যৱহাৰে অপতৃণ হ্রাস কৰে।
10	ক্ষুদ্র পুষ্টি/বৃদ্ধি নিয়ন্ত্রক স্প্রে	2ৰ পৰা 4 পাতৰ পর্যায়ত NAA (100 ppm) আৰু ইথ্রেল (25 ppm) স্প্রে' কৰি মাইকীত্ব, ফলৰ গোট, ফলৰ আকাৰ আৰু মুঠ উৎপাদন বৃদ্ধি কৰিব পাৰি।
11	কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্রণ	পাতৰ হপাৰ: ডাইক্লৰ'ৰভছ 76% EC (6.5মিলি/10 লিটাৰ), ট্রাইক্লৰ'ৰ'ফন 50% EC (1.0মিলি/লিট)। ফুচৰেয়িম উইল্ট্র কার্বেণ্ডাজিম 0.5 গ্রাম/লিটাৰ বা মানকোজেৰ 2গ্রাম/লিটাৰ প্রতি 10-14 দিনৰ মূৰে মূৰে ফলৰ মাখি: আঠাযুক্ত ফান্দ @4 /বিঘা। নিম তেল @ 3 % পত্র স্প্রে হিচাপে।
12	শস্য চপোৱা	অপৰিপক্ক অৱস্থাত (সেউজীয়া বা সম্পূর্ণ পৰিপক্কতাত, যেতিয়া ৰং হালধীয়া বা কমলাৰ পৰা হালধীয়া বা কমলা হালধীয়ালৈ সলনি হয়) চপোৱা ফল।
13	প্রত্যাশিত ফলন/ একৰ	আদর্শ পৰিস্থিতিত ভালদৰে পৰিচালিত শস্যত 8-10 টন উৎপাদন কৰে।
17	সংৰক্ষণ	ঠাণ্ডা শুকান আৰু বায়ু চলাচল কৰা ঠাইত @ 10-13° Cত সংৰক্ষণ কৰাটো ভাল। সঠিকভাৱে সংৰক্ষণ কৰিলে কুমলীয়া ৰঙালাউ কেইবামাহো টিকি থাকিব পাৰে।
18	নকৰিবা	ডিডিটি, লিণ্ডেন 1.3% ধূলি, তাম আৰু চালফাৰৰ ধূলি ব্যৱহাৰ নকৰিব। এইবোৰ হৈছে ফাইটোটক্সিক।
19	কৰিবা	সঠিক বৈচিত্র্য নির্বাচন কৰা, প্রচুৰ সূর্য্যৰ পোহৰ আৰু স্থান প্রদান কৰক। পর্যাপ্ত পৰিমাণৰ পানী আৰু সাৰ নিশ্চিত কৰা, ফলপ্রসূ কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্রণ ব্যৱস্থা ৰূপায়ণ কৰা।
টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰামর্শৰ বাবেহে দিয়া হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পর্কিত বিশেষ পৰামর্শৰ বাবে, অনুগ্রহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।	
সাৱধানতা	শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উৎপাদন বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্রভাৰিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামর্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঔষধ ক্রয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।	